ओ३म्

वेद विभाग

Department of Veda

गुरुकुल काङ्गड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार, उत्तराखण्ड, भारत

Gurukula Kangri (Deemed to be University), Haridwar, UK. Bharat (India)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) वर्ष 2020 पर आधृत
चतुर्वर्षीय स्नातक ऑनर्स/ वेदालंकार
वेद विभागीय पाठ्यक्रम

Undergraduate .B.A –Honors/ Vedalankar,
Four Year's Course for Veda under
National Education Policy (NEP) - 2020

शैक्षणिक सत्र - 2024-25 से प्रभावी

Implemented from Academic Session - 2024-25

विभागीय पाठ्यक्रम समिति

अध्यक्ष	**-**	**प्रो. प्रभात कुमार** (पदेन संकायाध्यक्ष) प्राच्यविद्या संकाय गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार।
विषय विशेषज्ञ	**-**	**प्रो. भारतभूषण** पूर्व अध्यक्ष वेद-विभाग गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार।
विषय विशेषज्ञ	**-**	**प्रो. रेणु बाला** पूर्व अध्यक्ष संस्कृत-विभाग गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर।
संयोजक	**-**	**डॉ. दीनदयाल** प्रभारी, वेद-विभाग गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार।
सह- संयोजक	**-**	**डॉ. रामचन्द्र मेघवाल** सहायकाचार्य, वेद-विभाग गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार।

B.A. Honors (Vedalankar)

COURSE STRUCTURE OF FOUR-YEAR UNDERGRADUATE PROGRAMMES TO BE EFFECTIVE FROM SESSION 2024-2025

Year	Semester	S. N.	Course	Paper Code	Course's Name
1	1	1	Major	BVL24-MJ101	Vaidika Sahitya Evam Sanskriti
		2	Minor	BVL24-MI101	Veda Evam Sanskriti
		3	M.D.C.	BVL24-MD101	Manaviya Jivan Moolya
		4	Skill Enhancement Course	BVL24-SE101	Vaidika Sanskar (A)
	2	1	Major	BVL24-MJ201	Rigvedadibhashyabhumika
		2	Minor	BVL24-MI201	Vaidika Nibandha
		3	M.D.C.	BVL24-MD201	Vaidika Samajshastra
		4	Skill Enhancement Course	BVL24-SE201	Vedokta Vaiklpik Chikitsa

Department of Veda
B.A. Honours/ Honours with Research

Title of the Course :- Vaidika Sahitya Evam Sanskriti		**Course Code : BVL24-MJ101**
Nature of the Course : Major	**Distribution of Marks :** 40+60 (In-Semester + Semester)	**Course Credit : 04**

Course Outcome: -

CO1	संहिता एवं ब्राह्मण ग्रन्थों के अध्ययन से प्राचीन ज्ञान के स्रोतों का ज्ञान होगा।
CO2	आरण्यक उपनिषद् एवं वेदांग के परिचय से जीवन के बहुमूल्य ज्ञान प्राप्ति के स्रोत मिलेंगे।
CO3	सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं भौगोलिक इन विषयों के परिचय प्राचीन कालीन सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक व्यवस्था तथा भौगोलिक तन्त्र का बोध होगा।
CO4	वैदिक देवों का यथार्थ ज्ञान होगा। यज्ञ के स्वरूप का यथार्थ बोध होगा तथा यज्ञ से समुचित लाभ प्राप्त किया जा सकेगा।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total H
1	**वेदों का महत्त्व** **वैदिक संहिताओं एवं ब्राह्मण ग्रन्थों का परिचय**	14	6	-	20
2	**आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदांग साहित्य का परिचय**	12	6	-	18
3	**सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं भौगोलिक विषयों का परिचय**	7	3	-	10
4	**वैदिक देवों का स्वरूप एवं महत्त्व, यज्ञ मीमांसा परिचय**	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. वेदों में सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक जीवन - डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धन ज्ञानपुर भदोही (उ०प्र०)।
3. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ० बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा दिल्ली।
4. वैदिक देवों का आध्यात्मिक और वैज्ञानिक स्वरूप- डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धन ज्ञानपुर भदोही (उ०प्र०)।
5. वैदिक वाङ्मय का इतिहास- पं. भगवद्दत्त रिसर्च स्कालर , गोविन्द राम हासानन्द नई दिली।

Department of Veda
B.A. Honours/ Honours with Research

Title of the Course :- Veda Evam Sanskriti		**Course Code : BVL24-MI101**
Nature of the Course : Minor	**Distribution of Marks:** 40+60 (In-Semester + Semester)	**Course Credit : 04**

Course Outcome: -

CO1	**संहिता एवं ब्राह्मण ग्रन्थों के अध्ययन से प्राचीन ज्ञान के स्रोतों का ज्ञान होगा।**
CO2	**आरण्यक उपनिषद् एवं वेदांग के परिचय से जीवन के बहुमूल्य ज्ञान प्राप्ति के स्रोत मिलेंगे।**
CO3	**सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं भौगोलिक इन विषयों के परिचय प्राचीन कालीन सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक व्यवस्था तथा भौगोलिक तन्त्र का बोध होगा।**
CO4	**वैदिक देवों का यथार्थ ज्ञान होगा। यज्ञ के स्वरूप का यथार्थ बोध होगा तथा यज्ञ से समुचित लाभ प्राप्त किया जा सकेगा।**

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	**वेदों का महत्त्व** **वैदिक संहिताओं एवं ब्राह्मण ग्रन्थों का सामान्य परिचय**	10	3	-	13
2	**आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदांग साहित्य का सामान्य परिचय**	12	5	-	17
3	**सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं भौगोलिक विषयों का परिचय**	12	5	-	17
4	**वैदिक देवों का स्वरूप एवं महत्त्व, यज्ञ मीमांसा परिचय**	10	3	-	13
		44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. वेदों में सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक जीवन - डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धन ज्ञानपुर भदोही (उ॰प्र॰)।
3. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ॰ बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा दिल्ली।
4. वैदिक देवों का आध्यात्मिक और वैज्ञानिक स्वरूप- डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धन ज्ञानपुर भदोही (उ॰प्र॰)।
5. वैदिक वाङ्मय का इतिहास- पं. भगवद्दत्त रिसर्च स्कालर , गोविन्द राम हासानन्द नई दिली।

Department of Veda
B.A. Honours/ Honours with Research

Title of the Course :- Manaviya Jivan Moolya		Course Code : BVL24-MD101
Nature of the Course **Multi-Disciplinary Course**	**Distribution of Marks:** 40+60 (In-Semester + Semester)	**Course Credit : 03**

Course Outcome: -

CO1	मानवीय गुणों के यथार्थ बोध होने पर मानव इन गुणों को समुचित रूप से धारण कर पायेगा और हिंसा अन्याय आदि विकृतियां समाप्त हो जायेगी, जिससे मानव का कल्याण होगा।
CO2	शौच, सन्तोष इत्यादि गुणों के यथार्थ बोध होने पर मानव शुद्धता सन्तोष तप व शिष्टाचार से युक्त होगा। जिससे मानव समाज सुखी व आनन्दित होगा।
CO3	नित्यकर्मों से शारीरिक, मानसिक , बौद्धिक ,आत्मिक और सामाजिक विकास होगा। मानवीय इच्छाओं का यथार्थ ज्ञान होने पर तृष्णा व विनाशकारी इच्छाएं कम हो जायेगी। अधिकार व कर्तव्य का यथार्थ बोध होने पर अनधिकार चेष्टाओं व कर्तव्यहीनता से बचेंगे।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	**मानव-परिभाषा एवं स्वरूप तथा उद्देश्य।** **मानव धर्म- धी, धैर्य, विद्या, शिक्षा, श्रद्धा, धर्म, कर्म, ज्ञान, सत्य, स्वाध्याय, अहिंसा, दया, अक्रोध, क्षमा, दम, इन्द्रिय-निग्रह।**	13	4	-	17
2	**शौच, सन्तोष, तप, शिष्टाचार, अस्तेय, लोभ, त्याग, अभय, मैत्रीभाव, देवत्त्व, उत्साह और विवेक (जागरुकता)।**	13	4	-	17
3	**नित्य कर्मों का सम्यक् बोध। अधिकार व कर्तव्य । मानवीय इच्छाएं।**	09	2	-	11
	Total (in Hrs)	35	10	-	45

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

सत्यार्थ प्रकाश- स्वामी दयानन्द सरस्वती , आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, खारी बावली, दिल्ली।

वेदों में लोक कल्याण- डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी , विश्व भारतीय अनुसन्धान परिषद ज्ञानपुर भदोही।

वैदिक साहित्य एवं संस्कृति- डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।

मनुस्मृति- डॉ. सुरेन्द्र कुमार, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, खारी बावली, दिल्ली।

योगदर्शन- आचार्य राजवीर शस्त्री, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, खारी बावली, दिल्ली।

Department of Veda
B.A. Honours/ Honours with Research

Title of the Course :- Vaidika Sanskar (A)		Course Code : BVL24-SE101
Nature of the Course- **Skill Enhancement Course**	**Distribution of Marks:** 40+60 (In-Semester + Semester)	**Course Credit : 03**

Course Outcome: -

CO1	मानवीय जीवन के नये आयाम विकसित होंगें।
CO2	पौरोहित्य कार्य में दक्षता प्राप्त होगी।
CO3	व्यवहार कुशलता और नेतृत्त्व क्षमता में विकास होगा।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	संस्कार- परिभाषा, उद्देश्य एवं महत्त्व। प्राग्जन्म संस्कार- गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन।	13	4	-	17
2	जन्मोत्तर संस्कार- जातकर्म, नामकरण,निष्क्रमण, अन्नप्राशन, मुण्डन(चौलकर्म),कर्णवेध।	13	4	-	17
3	विद्यासंबन्धी संस्कार- उपनयन, वेदारम्भ, समावर्तन।	09	2	-	11
		35	10	-	45

L: Lectures *T: Tutorials* *P: Practicals*

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

धर्मशास्त्र का इतिहास- पी.वी. काणे, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ उ.प्र.।

संस्कार विधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती, सं. आचार्य राजवीर शास्त्री , आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, खारी बावली दिल्ली।

संस्कार चन्द्रिका- डॉ. सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, गोविन्द राम हासानन्द दिल्ली।

Department of Veda
B.A. Honours/ Honours with Research

Title of the Course :- **Rigvedadibhashyabhumika**		Course Code : BVL24-MJ201
Nature of the Course : Major	**Distribution of Marks:** 40+60 (In-Semester + Semester)	**Course Credit : 04**

Course Outcome: -

CO1	ईश्वर के यथार्थ स्वरूप व गुणों का ज्ञान तथा उपासना व मुक्ति विषयक बोध होगा।
CO2	वेदों के विभिन्न विषयों का ज्ञान होगा।
CO3	मानव के सभी कर्तव्याकर्तव्य का बोध होगा।
CO4	सृष्टि विद्या व आधुनिक विज्ञान के सिद्धान्तों का बोध होगा।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	**विषय- 1. ईश्वरप्रार्थना, 6. ब्रह्मविद्या, 13. स्तुति-प्रार्थना-याचना-समर्पण, 14. उपासना, 15. मुक्ति।**	10	3	-	13
2	**विषय- 2.वेदोत्पत्ति, 3.वेद-नित्यत्त्व, 4.वेद-विषय 5.वेद-संज्ञा**	10	3	-	13
3	**7. वेदोक्त धर्म, 22. राजप्रजा धर्म, 23.वर्णाश्रम, 19. पुनर्जन्म**	10	5	-	15
4	**विषय- 8.सृष्टि विद्या, 9.पृथिव्यादिलोकभ्रमण, 10.आकर्षणानुकर्षण, 11.प्रकाश्यप्रकाशक, 16.नौविमानादि, 17.तारविद्या , 25. ग्रन्थप्रमाण्याप्रमाण्य विषय।**	14	5	-	19
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. **ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका** - स्वामी दयानन्द सरस्वती, प्रकाशक - आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, खारी बावली, दिल्ली।
2. **भूमिका भास्कर** - विद्यानन्द सरस्वती, प्रकाशक - गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली।
3. **ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका का सरल अध्ययन**- पं. विश्वनाथ विद्यालंकार प्रकाशक - गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली।
4. **वेद मीमांसा** - विद्यानन्द सरस्वती, प्रकाशक - गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली।

Department of Veda
B.A. Honours/ Honours with Research

Title of the Course :- Vaidika Nibandha		Course Code : BVL24-MI201
Nature of the Course : Minor	**Distribution of Marks:** 40+60 (In-Semester + Semester)	**Course Credit : 04**

Course Outcome: -

CO1	ईश्वर के यथार्थ स्वरूप व गुणों का ज्ञान तथा उपासना व मुक्ति विषयक बोध होगा।
CO2	वेदों के विभिन्न विषयों का ज्ञान होगा।
CO3	मानव के सभी कर्तव्याकर्तव्य का बोध होगा।
CO4	सृष्टि विद्या व आधुनिक विज्ञान के सिद्धान्तों का बोध होगा।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	**विषय- 1. ईश्वरप्रार्थना, 6. ब्रह्मविद्या, 13. स्तुतिप्रार्थनायाचनासमर्पण, 14. उपासना, 15. मुक्ति।**	10	3	-	13
2	**विषय- 2.वेदोत्पत्ति, 3.वेद-नित्यत्त्व, 4.वेद-विषय 5.वेद-संज्ञा**	10	3	-	13
3	**7. वेदोक्त धर्म, 22. राजप्रजा धर्म, 23.वर्णाश्रम, 19. पुनर्जन्म**	10	5	-	15
4	**विषय- 8.सृष्टि विद्या, 9.पृथिव्यादिलोकभ्रमण, 10.आकर्षणानुकर्षण, 11.प्रकाश्यप्रकाशक, 16.नौविमानादि, 17.तारविद्या , 25. ग्रन्थप्रमाण्याप्रमाण्य विषय।**	14	5	-	19
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures *T: Tutorials* *P: Practicals*

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. **ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका** - स्वामी दयानन्द सरस्वती, प्रकाशक - आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, खारी बावली, दिल्ली।
2. **भूमिका भास्कर** - विद्यानन्द सरस्वती, प्रकाशक - गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली।
3. **ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका का सरल अध्ययन- पं. विश्वनाथ विद्यालंकार** प्रकाशक - गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली।
4. **वेद मीमांसा** - विद्यानन्द सरस्वती, प्रकाशक - गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली।

Department of Veda
B.A. Honours/ Honours with Research

Title of the Course :- Vaidika Samajshastra		Course Code : BVL24-MD201
Nature of the Course **Multi-Disciplinary Course**	**Distribution of Marks :** 40+60 (In-Semester + Semester)	**Course Credit : 03**

Course Outcome: -

CO1	परिवार व समाज के स्वरूप तथा उद्देश्य का बोध होगा।
CO2	परिवार विघटन की समस्या दूर होगी। श्रेष्ठ मानव निर्माण में सहायक परिवार की भूमिका का ज्ञान होगा
CO3	**वसुधैव कुटुम्बकम्** का लक्ष्य साकार होगा।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	**परिवार व समाज की परिभाषा, स्वरूप तथा उद्देश्य (पुरुषार्थ चतुष्ट्य)**	13	4	-	17
2	**वैदिक समाज में पारिवारिक आदर्श एवं गृहस्थ निर्माण**	09	2	-	11
3	**वेदों में समाज व्यवस्था एवं विश्वबन्धुत्त्व।**	13	4	-	17
	Total (in Hrs)	35	10	-	45

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. **पुरुषार्थ प्रकाश-** स्वामी नित्यानन्द, रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली सोनीपत
2. **कायाकल्प-** स्वामी समर्पणानन्द , प्रभात आश्रम मेरठ
3. **भारतीय समाजशास्त्र-**पं धर्मदेव विद्यामार्तण्ड, आर्ष साहित्य मण्डल अजमेर राजस्थान
4. **वेदों द्वारा समस्त समस्याओं का समाधान-** पं धर्मदेव विद्यामार्तण्ड, घूडमल प्रह्लाद कुमार , हिण्डोन सिटी राजस्थान
5. **वैदिक सम्पदा-** पं. वीरसेन वेदश्रमी, गोविन्दराम हासानन्द नई सडक, दिल्ली-6
6. **संस्कार विधि-** स्वामी दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, दिल्ली
7. **सत्यार्थ प्रकाश-** स्वामी दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, दिल्ली
8. **ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका-** स्वामी दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, दिल्ली
9. **सुखी समाज-** डॉ कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10. **सुखी परिवार-** डॉ कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
11. **सुखी गृहस्थ-** डॉ कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

Department of Veda
B.A. Honours/ Honours with Research

Title of the Course :- Vedokt Vaiklpik Chikitsa		Course Code : BVL24-SE201
Nature of the Course- **Skill Enhancement Course**	**Distribution of Marks:** 40+60 (In-Semester + Semester)	**Course Credit : 03**

Course Outcome: -

CO1	मानवीय जीवन के नये आयाम विकसित होंगें।
CO2	औषधियों का ज्ञान, पाक कला और आय के साधन प्राप्त होगें।
CO3	रोगनिवृत्ति से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होगा।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	चिकित्सा- परिभाषा, उद्देश्य एवं महत्त्व।	6	4	-	10
2	अग्निहोत्र चिकित्सा- अग्निहोत्र का स्वरूप, औषधीय सामग्री। औषधीय चिकित्सा- काष्ठ एवं रस औषधियों का सामान्य अध्ययन।	13	4	-	17
3	मर्म चिकित्सा- शरीरस्थ मर्मों का परिगणन । मर्म चिकित्सा की विधि एवं सावधानियाँ। विभिन्न रोगों में मर्म चिकित्सा।	16	2	-	18
		35	10	-	45

L: Lectures *T: Tutorials* *P: Practicals*

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

यज्ञचिकित्सा - फुन्दनलाल अग्निहोत्री, सेठ रतन जी, हीरजी, यज्ञ चिकित्सा, सेनीटोरियम, जबलपुर, 1949

वैदिक यज्ञ थेरेपी - डॉ॰ दिनेशचन्द्र शास्त्री, सत्यम पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली - 59

यज्ञ मीमांसा - डॉ॰ रामनाथ वेदालंकार, गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली।

मर्म चिकित्सा एवं मर्म चिकित्सा - डॉ॰ सुनील जोशी, मृत्युंजय मिशन, हरिद्वार।

सुश्रुत संहिता - चौखम्बा प्रकाशन दिल्ली।